

शिजरा ये खानदानी

उम्मत उर्फ सूफी हुम्द बाबा शेख गुर उद्दीन और शेख अब्दुल ये दो भाई राजस्थानी विटाला के करीब के वाणिज्य गान पाये जाते हैं। यहाँ पर आकर भान पुर में शादी कराने से इन दोनों भाइयों की सम्मान नहीं होती थी उस वक्त बाब ताजुल औलिया नागपुर हयात में थे उनकी खिदमत में आप हाजिर हुए बाबा साहब एक गुलाब का फूल आशमान की तरफ देखते हुए आपको पेश किये दोनों भाइयों के बीच में एक बच्चा मोहम्मद लतीफ हुआ बाड़े होने पर उसकी शादी हुलूमन बी के साथ हुई जिससे तीन बच्चे पहला मोहम्मद सरीफ दूसरा उम्मत सूफी हुम्द बाबा तीसरा मोहम्मद नजीर जो मोहम्मद सरीफ जामिया अरबिया से तालीम हासिल किये और मौलाना अब्दुल शकूर से बत कुतुब किये और अल्ला खला में जब जिक्र करते थे इनकी पोशाक पानी के अन्दर भी फोलती नहीं थी। दूसरी छोटे मिया के यहाँ आप ठहरे थे आप रात को को मुलाकर ताला लगा दिये थे। आप फजर के वक्त बाहर से आवाज देते हैं। छोटे भैया बजू के लिये पानी लाओं आप देखते हैं कि ताला क्यों का ल्यों और आप बाहर देख कर हैरत में पड़ गए और बजू के लिए पानी दिए आप बजू बनाकर नवाज अदा की।

और छोटे स्त्रा में बोले कि आपने हमारी आजमाइस लिये हैं। अब आप के यहां कभी न आयेंगे। इनको एसी बहुत सी करामातें हैं जो बहुत लोगों को मालुम है। तबसे जो निकले है सो अभी तक वापिस नहीं आये हैं। आपके नसफ से दो बच्चा एक बच्चा है।

दूसरा सूफी हुम्द बाबा हजमत ने मौलाना न मुहिदना अब्दुल शकूर उर्फ बल्लू मिया

खादि में आस्ताना शेयद ना शाहे रजा के किबदमत में रखे गद्दी नशीन गदनशाह सूफिए कामिल सुल्ताने औलिया राहते मिया गद्दी नशीन बा इजाजत खिलाफत १९५३ रब्बा आल अब्बल २६ तारोख को इजाजत फरमाई उस वक्त हजरत ने अपना ताज उतार कर मेरे सर पे रखा और मेरा ताज अपने सर पे रख लिया। अला हद्दीन शाहबर कलियर शरफ औलिया के आस्ताने पर दस्तार बन्द हुई और दिल्लो में निजामुद्दीन औलिया महबूबे इलाहा के आस्ताने में भी दस्तार बन्द हुई ख्वाजा मुहउद्दीन अचस्ता उम्माने हाकनी के आस्ताने में असा पेश किया गया है और कहा गया है विस मिल्ला हिर रहमा निर रहीम का धिरद किया करा उसी वक्त से विस मिल्ला हिर रहमा निर रहीम का अबद हुआ जाता है। इनके नसफ से चार बच्चा एक बच्चा